

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 30, भाग 3

2 राजा 24-25, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

शहर के विनाश, निराशा और आशा की शुरुआत, बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर के 19वें वर्ष के पांचवें महीने के सातवें दिन, नबूकदनेस्सर अदोन, शाही रक्षकों के कमांडर और बाबुल के राजा के अधिकारी, यरूशलेम आए। तो, शहर पर वास्तव में कब्जा किए हुए लगभग एक महीना हो चुका है। उसने प्रभु के मंदिर, शाही महल और यरूशलेम के सभी घरों में आग लगा दी।

उसने हर महत्वपूर्ण इमारत को जला दिया। इंपीरियल गार्ड के कमांडर के नेतृत्व में पूरी बेबीलोन की सेना ने यरूशलेम के चारों ओर की दीवारें तोड़ दीं। मैंने इन लोगों को यह कहते हुए सुना है, मैंने लड़ने के लिए हस्ताक्षर किए हैं।

मैंने दीवारें तोड़ने के लिए हस्ताक्षर नहीं किए हैं। खैर, आपने हस्ताक्षर किए हैं, इसलिए आप ऐसा करने जा रहे हैं। मैंने आपसे पहले तीन-चरणीय योजना के बारे में बात की है जिसका पालन असीरियन ने किया और जिसे बेबीलोनियों ने अपनाया।

नंबर एक, वे पड़ोस में दिखाई देते हैं और आपको गठबंधन की पेशकश करते हैं। और यदि आप होशियार हैं, तो आप गठबंधन को स्वीकार करते हैं, और इसके साथ एक बड़ी श्रद्धांजलि जुड़ी होती है। खैर, अनिवार्य रूप से, आप और आपके लोग उस श्रद्धांजलि का भुगतान करने से थक जाते हैं, इसलिए आप विद्रोह करते हैं, और असीरियन वापस आते हैं।

वे आपके शहर को घेर लेते हैं। अगर आप होशियार हैं, तो आप आत्मसमर्पण कर देते हैं, और शायद आप बच जाएंगे। और श्रद्धांजलि दी जाती है।

वे अपनी पसंद के स्थानीय राजा को गद्दी पर बिठाते हैं। अनिवार्य रूप से, वह विद्रोह कर देता है, और वे वापस आ जाते हैं। और इस बार, कोई आत्मसमर्पण नहीं होता।

इस बार, शहर को जलाकर राख कर दिया गया है, और दीवारें नष्ट कर दी गई हैं। यह जगह फिर कभी विद्रोह का केंद्र नहीं बनने वाली है। तो, यह तीसरा हमला है।

एक बार फिर, पद 12 में, सेनापति ने देश के कुछ सबसे गरीब लोगों को अंगूर के बागों और खेतों में काम करने के लिए छोड़ दिया। अब, मैं चाहता हूँ कि आप इन अगले पदों, 25, 13, और उसके बाद के पदों को देखें। तो, हमने अभी-अभी एक बहुत ही संक्षिप्त सारांश देखा है।

उसने मंदिर को जला दिया, महल को जला दिया, सभी घरों को जला दिया और दीवारों को तोड़ दिया। अब, हम छह श्लोक पढ़ने जा रहे हैं। बेबीलोनियों ने पीतल के खंभे, चलने योग्य खंभे और पीतल के समुद्र को तोड़ दिया जो प्रभु के मंदिर में था और पीतल को बेबीलोन ले गए।

वे बर्तन, फावड़े, बाती काटने वाले यंत्र, बर्तन और मंदिर की सेवा में इस्तेमाल होने वाले सभी कांसे के सामान ले गए। शाही रक्षकों के कमांडर ने धूपदान, छिड़काव के कटोरे, सभी चीजें जो शुद्ध सोने या चांदी से बनी थीं, ले लीं। दो खंभों, समुद्र और चलने वाले स्टैंडों का कांसा, जो सुलैमान ने यहोवा के मंदिर के लिए बनाया था, उससे कहीं ज़्यादा कांसा तौला जा सकता था।

प्रत्येक स्तंभ 18 हाथ ऊंचा था। एक स्तंभ के ऊपर कांस्य शीर्ष तीन हाथ ऊंचा था और चारों ओर कांस्य के जाल और अनार से सजाया गया था। अपने जाल के साथ दूसरा स्तंभ भी इसी तरह का था।

ठीक है, कृपया अध्याय 8 पर वापस जाएँ, नहीं, क्षमा करें, 7, श्लोक 15, उसने दो कांस्य स्तंभ बनाए, प्रत्येक 18 हाथ ऊँचा और 12 हाथ परिधि का था। उसने स्तंभों के शीर्ष पर स्थापित करने के लिए कांस्य के दो शीर्ष भी बनाए। प्रत्येक शीर्ष पाँच हाथ ऊँचा था।

स्तंभों के शीर्ष पर स्थित शीर्षों पर आपस में जुड़ी हुई जंजीरों का एक जाल था, प्रत्येक शीर्ष के लिए सात। उसने दो पंक्तियों में अनार बनाए, प्रत्येक जाल के चारों ओर घेरा बनाया, और इसी तरह आगे भी। पद 23 में, उसने ढली हुई धातु से गोलाकार समुद्र बनाया, जिसकी माप 10 हाथ, किनारे से किनारे तक 15 फीट और ऊँचाई पाँच हाथ थी।

मैं 1 राजा 7 में हूँ। श्लोक 25 में, उसने 12 बनाए, समुद्र 12 बैलों पर खड़ा था, तीन उत्तर की ओर, तीन पश्चिम की ओर, तीन दक्षिण की ओर, तीन पूर्व की ओर। श्लोक 27 में, उसने कांस्य के 10 चल स्टैंड बनाए। प्रत्येक चार हाथ लंबा, चार चौड़ा और तीन ऊँचा था।

श्लोक 38 में, उसने 10 कांस्य के बर्तन बनाए, जिनमें से प्रत्येक में 40 बाथ थे और छह फीट में चार हाथ की दूरी थी। 10 स्टैंड में से प्रत्येक पर एक बर्तन रखा जाना था, और इसी तरह आगे भी। क्या आपको भाषा में समानता दिखती है? आपको ऐसा क्यों लगता है? उसने सीधे यह क्यों नहीं कहा कि उसने मंदिर को नष्ट कर दिया और उसका सारा सामान ले गया? इतना विस्तृत विवरण क्यों? क्या यह दर्ज है? हाँ, हाँ।

इस सब की त्रासदी यह है कि यह सामान जो प्रभु को समर्पित था, उसकी सेवा के लिए बनाया गया था। ठीक है, अब 1 राजा के अध्याय 9, श्लोक 3 को देखें। मैंने आपके द्वारा मेरे सामने की गई प्रार्थना और विनती सुनी है। यह परमेश्वर सुलैमान से बात कर रहा है।

मैंने इस मंदिर को पवित्र किया है, जिसे तुमने हमेशा के लिए अपना नाम रखकर बनाया है। मेरी आँखें और मेरा दिल हमेशा वहाँ रहेंगे। और तुम, अगर तुम मेरे सामने अपने पिता दाऊद की तरह खरे दिल और सच्चाई से चलते हो, मेरी सारी आज्ञाओं का पालन करते हो और मेरी विधियों और नियमों का पालन करते हो; तो मैं तुम्हारी राजगद्दी को इस्राएल पर हमेशा के लिए स्थापित करूँगा, जैसा कि मैंने तुम्हारे पिता दाऊद से वादा किया था जब मैंने कहा था कि इस्राएल के सिंहासन पर तुम्हारा उत्तराधिकारी कभी नहीं होगा।

लेकिन अगर तुम या तुम्हारे वंशज मुझसे दूर हो जाते हो, मेरे द्वारा दिए गए आदेशों और नियमों का पालन नहीं करते हो और दूसरे देवताओं की सेवा करने और उनकी पूजा करने चले जाते हो,

तो मैं इस्राएल को उस देश से निकाल दूँगा जो मैंने उन्हें दिया है और इस मंदिर को अस्वीकार कर दूँगा जिसे मैंने अपने नाम के लिए पवित्र किया है। तब इस्राएल सभी लोगों के बीच एक उपहास और उपहास का विषय बन जाएगा। यह मंदिर मलबे का ढेर बन जाएगा।

जो कोई भी वहाँ से गुज़रेगा, वह चकित हो जाएगा और उपहास करेगा और कहेगा, यहोवा ने अपनी भूमि और इस मंदिर के साथ ऐसा क्यों किया? लोग जवाब देंगे क्योंकि उन्होंने यहोवा, अपने परमेश्वर को त्याग दिया है, जिसने उनके पूर्वजों को मिस्र से बाहर निकाला था, और अन्य देवताओं को अपनाया है और उनकी पूजा और सेवा की है। यही कारण है कि यहोवा ने उन पर यह सब विपत्ति ला दी। तो यह यहाँ है।

हमारे पास वाकई बुकएंड्स हैं। यहाँ मंदिर की महिमा है, और यहाँ मंदिर की त्रासदी है। अब मैंने वहाँ सवाल पूछा: क्या आप इससे मंदिर का धर्मशास्त्र बना सकते हैं? बेशक, अध्याय 9 के साथ।

हमने बहुत पहले बात की थी। इस मंदिर के बारे में इतनी जानकारी क्यों? और एक तरह से, यहाँ भी यही दर्शाया गया है। इतनी जानकारी क्यों? भगवान ने ऐसा क्यों किया? उन्हें यह बहुत पसंद है।

यह एक घर था, वह घर जहाँ उसका नाम लिखा जाना था। उसे यह घर बहुत पसंद था। और दुखद बात यह है कि उसने इसे छोड़ दिया।

उसने इसे क्यों छोड़ा? अध्याय 9 में उसने क्या कहा? हाँ, अगर तुम मुझसे दूर हो जाओ, तो मुझे किसी इमारत की परवाह नहीं है। मुझे तुम्हारी परवाह है। तुम मेरे दिल का मंदिर हो।

यह सब प्रतीकात्मकता है। हमारे दिल उसके लिए कितने खूबसूरत हैं? इतने खूबसूरत। और त्रासदी क्या है? जब हमारे दिल अब उसके नहीं रहे।

वे भयानक हैं। वे बदसूरत हैं। वे आपदा हैं।

इसलिए, कई मायनों में, मुझे लगता है कि राजाओं की पुस्तकें मंदिर के बारे में हैं। मेरा मानना है कि यह सब प्रतीकात्मक है, और यह प्रतीकात्मक प्रतीकवाद हमें यह बताने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि भगवान कहाँ जा रहे हैं।

यह संयोग नहीं है कि मैं पतझड़ में इफिसियों के बारे में आपसे बात करना चाहता हूँ। असल में, यह सब यहीं जा रहा है। हाल ही में मुझे पुराने नियम में मंदिर की व्यापकता में दिलचस्पी और आकर्षण रहा है।

हिब्रू पुराने नियम की अंतिम पुस्तक इतिहास है। यहाँ इतिहास की अंतिम आयत है। फारस के राजा कुसू ने कहा: स्वर्ग के परमेश्वर यहोवा ने मुझे आज्ञा दी है, उसने मुझे पृथ्वी के सभी राज्य दिए हैं, और उसने मुझे यहूदा के यरूशलेम में उसका मंदिर बनाने के लिए नियुक्त किया है।

यह हिब्रू क्रम में पुराने नियम की आखिरी आयत है। और हमारे क्रम में, यह मलाकी है। और मलाकी मंदिर के भ्रष्टाचार के बारे में है जो लोग इसे अपने लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

तो, यह सब क्या है? यह भगवान के घर वापस आने की इच्छा के बारे में है। यह कोई संयोग नहीं है कि निर्गमन के अंतिम 16 अध्याय, जो वास्तव में उद्धार का बाइबिल धर्मशास्त्र है, भगवान के घर वापस आने के बारे में हैं। और ऐसा ही यहाँ भी है।

यहाँ हम इन शब्दों की प्रतिध्वनि सुन रहे हैं। ठीक है। अब, वापस किंग्स की ओर।

किताब का अंत कैसे होता है? ईमानदारी से कहूँ तो, थोड़ा रहस्यमयी ढंग से। 30 के दशक में, यह अध्याय 25, श्लोक 27 है। यहूदा के राजा यहोयाकीम के निर्वासन के 37वें वर्ष में, यहोयाकीम 37 वर्षों से जेल में है।

जिस वर्ष आवेल मर्दुक, नबूकदनेस्सर, 56 वर्षों के बाद आखिरकार मर गया, जिस वर्ष आवेल मर्दुक बेबीलोन का राजा बना, उसका पहला वर्ष, नबूकदनेस्सर ने यहोयाकीम की जगह ली, जाहिर है। लेकिन मुझे लगता है कि आवेल मर्दुक उसका बेटा है। मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं है।

लेकिन उसके उत्तराधिकारी ने अपने पहले वर्ष में यहूदा के राजा यहोयाकीम को जेल से रिहा कर दिया। उसने यह 12वें महीने के 27वें दिन किया। उसने उसके साथ दयालुता से बात की और उसे बाबुल में उसके साथ रहने वाले अन्य राजाओं से भी अधिक सम्मान का पद दिया।

हुह? यहूदा कुछ भी नहीं है। यहूदा जेसामाइन काउंटी जितना बड़ा नहीं है। बेबीलोन में उसके साथ रहने वाले अन्य राजाओं की तुलना में यह सम्मान की सीट अधिक है।

इसलिए यहोयाकीम ने अपने जेल के कपड़े उतार दिए और अपनी बाकी की ज़िंदगी में नियमित रूप से राजा की मेज़ पर खाना खाया। राजा ने यहोयाकीम को हर दिन नियमित रूप से भत्ता दिया, जब तक वह ज़िंदा रहा। अब, यह क्या है? खैर, विद्वानों को इस बात पर एक-दूसरे से लड़ना अच्छा लगता है।

मुझे लगता है, जैसा कि मैंने शुरू किया, यहूदा का अंत हो सकता है। डेविड की वंशावली को खत्म नहीं किया जाएगा। यहूदा, एक स्वतंत्र राष्ट्र-राज्य के रूप में, उसका अपना मानव राजा है, इसलिए हाँ, यह खत्म हो गया है।

यह हो गया। किताब पूरी हो गई। लेकिन क्या कहानी खत्म हो गई? नहीं, नहीं।

माफ़ी? हाँ। मैं यहाँ क्रूर होने जा रहा हूँ। हाँ, वह स्वर्ग में सिंहासन पर बैठा है।

हाँ, हाँ। तो, मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से जानबूझकर किया गया है। जिसे हम ईश्वर का राज्य समझते थे, उसके लिए निराशा, विनाश, त्रासदी, आपदा।

एक स्वतंत्र राष्ट्र-राज्य जिसमें सिंहासन पर एक मानव राजा होता है और एक सेना इसकी स्वतंत्रता की गारंटी देती है। हमने सोचा कि यह ईश्वर का राज्य है। यह खत्म हो गया है।

यह खत्म हो गया है। लेकिन भगवान ने अभी तक काम पूरा नहीं किया है। और इसलिए, मुझे पूरा भरोसा है।

अब, कई विद्वान कहते हैं, ठीक है, यह किसी तरह की एक पोस्टस्क्रिप्ट है। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि यह सिर्फ एक पोस्टस्क्रिप्ट नहीं है। यह वास्तव में कह रहा है कि कहानी आगे बढ़ने वाली है।

लेकिन यह सब आपकी कल्पना से अलग तरीके से होने जा रहा है। क्योंकि परमेश्वर का राज्य यहूदा का राष्ट्र नहीं है। और दाऊद का पुत्र मात्र एक मानव राजा नहीं है।

यहाँ कुछ और भी चल रहा है। तो, जैसा कि मैंने कहा, किताब का अंत अंधकारमय है। और फिर भी, ऐसा लगता है जैसे जैसे हमारे चारों ओर का अंधकार समाप्त होता है, अचानक एक मोमबत्ती की लौ दिखाई देती है।

और वे ऐसा कहते हैं। मैं वहाँ नहीं गया हूँ और इसकी गारंटी नहीं दे सकता। वे कहते हैं कि अंतरिक्ष में जलाई गई माचिस 500 मील दूर तक देखी जा सकती है।

घोर अंधकार में, प्रकाश की वह एक छोटी सी झलक, ओह, मुझे लगता है कि यही यहाँ की कहानी है। यह अंधकार है। जोआचिम? कौन जानता है? कौन जानता है? उसने अपना सिर ऊपर उठाया।

और दाऊद के भजन के दूसरे पक्ष में, अध्याय 3, जहाँ उसने कहा, परमेश्वर मेरा सिर है। मेरे सिर का। हाँ।

हाँ। हाँ। पता नहीं आप सबने यह सुना या नहीं।

जब यिर्मयाह यह कहानी सुनाता है, तो उसमें एक अंतर है। उसने अपना सिर उठाया, जो हमें भजन 3 की याद दिलाता है: परमेश्वर मेरे सिर को ऊँचा करता है।

हाँ। हाँ। खैर, एक और विचार, बस समापन करते हुए।

मैंने महीनों पहले कहा था कि उदारवादी और रूढ़िवादी दोनों ही इस बात पर सहमत हैं कि यहोशू, न्यायियों, शमूएल और राजाओं की सभी पुस्तकें व्यवस्थाविवरण के प्रकाश में लिखी गई हैं। अब, उदारवादी सोचते हैं कि व्यवस्थाविवरण 621 तक नहीं लिखा गया था जब यह मंदिर में पाया गया था। मैं इस पर एक पल के लिए भी विश्वास नहीं करता।

मुझे लगता है कि इसे 1400 में मूसा ने लिखा था। लेकिन हम सभी सहमत हैं कि यहेशू, न्यायियों, शमूएल और राजाओं को व्यवस्थाविवरण के प्रकाश में लिखा गया है। वे इस पृष्ठभूमि के साथ इज़राइल के इतिहास को देख रहे हैं।

तो, व्यवस्थाविवरण का इतिहास दर्शन क्या है? बहुत सरल है। वाचा को बनाए रखें और आशीर्वाद का अनुभव करें। वाचा को तोड़ें और अभिशाप का अनुभव करें।

तो, कौन अच्छा राजा है? वाचा को निभाता है। कौन बुरा राजा है? वाचा को तोड़ता है। क्या उसने बहुत लंबे समय तक शासन किया? क्या उसके पास बहुत सारी भौतिक संपत्ति थी? क्या उसके पास बहुत शक्ति थी? लेकिन उसने वाचा को तोड़ दिया।

भूल जाओ। वह महत्वपूर्ण नहीं था। तो, वाचा को बनाए रखने का क्या मतलब है? संक्षेप में, चार बातें।

नंबर एक, यहोवा के प्रति पूर्ण अनन्य भक्ति। यहोवा के प्रति पूर्ण अनन्य भक्ति। यह निर्गमन अध्याय 20, श्लोक 2 में वापस जाता है। मेरे सिवा तुम्हें कोई दूसरा ईश्वर नहीं मानना चाहिए।

दूसरा, दूसरा आदेश है मूर्तिपूजा न करना। आप किसी भी निर्मित वस्तु के रूप में देवता को नहीं पकड़ सकते। और मैं इसके महत्व पर अधिक जोर नहीं दे सकता।

इससे बहुत फ़र्क पड़ता है। मैंने आपसे कई बार कहा है। दुनिया में सिर्फ़ दो ही नज़रिए हैं, एक बाइबल आधारित और दूसरा बाइबल आधारित।

बाइबिल में कहा गया है कि देवता, चाहे वह कोई भी हो, ब्रह्मांड का एक हिस्सा है। और बाइबिल में कहा गया है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। देवता ब्रह्मांड का हिस्सा नहीं है।

और इसलिए, आप ईश्वरीय शक्ति को किसी भी निर्मित वस्तु से नहीं दर्शा सकते। इसलिए, यारोबाम कह सकता था, अरे, मैं यहोवा की पूजा कर रहा हूँ। हाँ, लेकिन आप सोने के बैल के आकार में उसकी पूजा कर रहे हैं।

उफ़। तुमने उसे इस दुनिया का हिस्सा बना दिया है, एक ऐसे रूप में जिसे तुम नियंत्रित कर सकते हो और नियंत्रित कर सकते हो। यहोवा के अलावा किसी और पर भरोसा मत रखो, खास तौर पर अशशूर पर।

मैंने यह पहले भी कहा है। मैं इसे फिर से कहूँगा। अगर आप वापस आते हैं तो आपको सितंबर तक मेरी बात सुनने की ज़रूरत नहीं होगी।

आप भगवान के स्थान पर जिस किसी पर भी भरोसा करते हैं, वह एक दिन आपके विरुद्ध हो जाएगा और आपको नष्ट कर देगा। नौकरी, घर, प्रेमी, आप भगवान के स्थान पर जिस किसी पर भी भरोसा करते हैं, वह एक दिन आपके विरुद्ध हो जाएगा और आपको नष्ट कर देगा। एक अर्थ में ये पहले तीन आज्ञाएँ पहले चार आज्ञाएँ हैं।

यह आखिरी वाक्य आखिरी छह वाक्यों को मिलाकर बनाया गया है। दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करें, खास तौर पर उनके साथ जो आपको अच्छा व्यवहार नहीं दे सकते। यही शब्द है हेसेड।

उदारता के साथ, यह शब्द अहव है। इन दोनों शब्दों, हेसेड और अहव का अनुवाद प्रेम है। अहव का अर्थ है अधिक स्नेह।

हेसेड का मतलब है किसी दूसरे व्यक्ति के लिए सही काम करना। और सम्मान, मिशपत, जिसका अक्सर अनुवाद न्याय होता है। लेकिन जैसा कि मैंने आपको कई बार बताने की कोशिश की है, यह महज कानूनी समानता से कहीं बड़ा है।

यह जीवन के लिए परमेश्वर की रचना है। और इस रचना में हर कोई मायने रखता है। यही व्यवस्थाविवरण है।

और यही वह ग्रिड है जिसका इस्तेमाल किंग्स ने शुरू से अंत तक किया है, यह बताने के लिए कि क्या काम किया और क्या काम नहीं किया। ठीक है, जाने से पहले क्या आप कुछ आखिरी शब्द कहना चाहेंगे? आमीन, यह एक बहुत अच्छा शब्द है। किताब कब आ रही है? खैर, अगर मैं किसी को इन टेपों को लिखने के लिए कह सकता हूँ, तो मैं यह कर सकता हूँ।

ओह, मैंने किंग्स पर एक टिप्पणी की है। मेरे पास 1,100 टाइप किए हुए पत्रे हैं जो मेरी मेज़ पर रखे हैं और जिन्हें टिप्पणी के लिए संपादक के पास भेज दिया गया है। मुझे लगता है कि मेरी बहन माई एक्सोडस, द वे आउट जैसी ज़्यादा लोकप्रिय किताबों के बारे में बात कर रही है।

ठीक है, मैं प्रार्थना करता हूँ।

प्रिय स्वर्गीय पिता, आपके वचन के लिए धन्यवाद। सत्य के लिए धन्यवाद। इसकी जीवन शक्ति के लिए धन्यवाद। इसकी शक्ति के लिए धन्यवाद। इसकी सुंदरता के लिए धन्यवाद।

आप जिस तरह से बाइबल का इस्तेमाल करके खुद को हमारे सामने प्रकट करते हैं, उसके लिए आपका धन्यवाद। हम बाइबल की पूजा नहीं करते। यह एक किताब है, लेकिन हम आपकी पूजा करते हैं।

हम आपकी पुस्तक के लिए आपको अनंत धन्यवाद देते हैं क्योंकि इसमें हम आपका चेहरा देखते हैं। हे प्रभु, हमें ईश्वर के पुरुष और महिला के रूप में जीने में मदद करें। हमें अपना जीवन प्रतिदिन जीने में मदद करें, आपको प्रतिबिंबित करें, आपको चुनें, आपसे प्रेम करें और आपके लिए जिएं।

हम सचमुच धन्य हो जाएँ क्योंकि हम आपके साथ चलते हैं। आपके नाम में, आमीन।